**700** लोगों को गिरफ्तार करने का आदेश दिया गया तुर्की में मंगलवार को। इसमें सेना और कानून मंत्रालय से जुड़े लोग भी शामिल हैं। इस कार्रवाई को 2016 में तख्तापलट की कोशिशों से जुड़े नेटवर्क पर लगाम कसने के तौर पर देखा जा रहा है।



# कोरोना वायरस से वुहान के अस्पताल के निदेशक की मौत

**आफत** ▶ वायरस से अब तक छह चिकित्सा कर्मियों की मौत हो चुकी है और 1,716 स्वास्थ्यकर्मी संक्रमित हुए, कुल मरने वालों की संख्या 1868 हुई, 72,436 कुल संक्रमित

**बीजिंग, एजेंसियां :** चीन में फैली महामारी के केंद्र वुहान स्थित एक अस्पताल के निदेशक की मंगलवार को कोरोना वायरस से मौत हो गई। चीन के सरकारी मीडिया सीसीटीवी ने यह जानकारी दी। खबर के अनुसार, वुचांग अस्पताल के निदेशक लिउ झिमिंग की जान बचाने के सारे प्रयास विफल हो गए और उनकी मौत हो गई। लिउ से पहले कोरोना वायरस के कारण अस्पताल के निदेशक स्तर के किसी व्यक्ति के मरने की खबर नहीं आई थी। उधर, कोरोना वायरस से चीन में मरने वालों की संख्या 1868 हो गई है। जबकि इससे संक्रमित होने वालों की कुल संख्या 72,436 हो गई है।

लिउ की मौत की खबर सबसे पहले चीनी मीडिया और ब्लागरों ने मंगलवार आधी रात के बाद दी थी, लेकिन फिर इस खबर को हटा लिया गया था। तब बताया जा रहा था कि डॉक्टर बीमार लिउ को बचाने के प्रयास में लगे हैं। लिउ की मौत को वुहान के नेत्र चिकित्सक ली वेन लियांग की मौत से भी जोड़कर देखा जा रहा है। नेत्र चिकित्सक ली वेन लियांग को दिसंबर के आखिर में कोरोना वायरस के खतरे के प्रति आगाह करने के लिए चीन की पुलिस ने सजा दी थी।

ली की मौत पर देशभर में रोष के साथ ही लोगों ने सरकारी व्यवस्था पर वायरस के खतरे को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया था। लोगों ने मंगलवार को सोशल मीडिया पर लिउ के साथ ली को भी याद किया। बता दें कि चीन में कोरोना वायरस से अब तक छह चिकित्सा कर्मियों की मौत हो चुकी है और 1,716 कर्मी इससे संक्रमित हुए हैं।

**... आखिरकार कोरोना को दे दी शिकस्त :** चीन के वुहान शहर में कोरोना वायरस के इलाज के लिए बने एक नए अस्पताल से मरीजों को छुट्टी दी जाने लगी है। यह तस्वीर अस्पताल से छुट्टी पाई 83 वर्षीय बुजुर्ग महिला की है। अस्पताल से बाहर आकर उन्होंने कोरोना को शिकस्त देने की खुशी में अपनी मुट्ठी भींची। एएफपी

**वुहान में मास्क की कमी झेल रहे डॉक्टर :** वुहान में डॉक्टरों के पास मास्क और रक्षात्मक बॉडीसूट की कमी है। कुछ डॉक्टर तो कामचलाऊ मास्क और सूट पहनकर लगातार काम कर रहे हैं। स्वास्थ्य कर्मियों ने बताया कि कुछ डॉक्टरों में सांस संबंधी समस्या के लक्षण नजर आ रहे हैं, लेकिन चिकित्सा कर्मचारियों की कमी की चलते उन्हें लगातार काम करना पड़ रहा है। कोरोना वायरस का सबसे ज्यादा असर हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान में दिखाई दे रहा है। यहां पर अब तक 1800 लोगों की मौत हो चुकी है।

**जापान में फंसे क्रूज में 88 और संक्रमित :** जापान में फंसे क्रूज में 88 और लोगों के संक्रमित होने का पता चला है। हालांकि जिन 65 लोगों के रिजल्ट पॉजिटिव आए हैं, उनमें अभी भी संक्रमण के लक्षण दिखाई नहीं दे रहे हैं।

जापान के स्वास्थ्य मंत्रालय ने शिप में मौजूद नागरिकों को एक पत्र भेजकर उन्हें 19 से 21 फरवरी के बीच निकालने की बात कही है। बता दें कि यह क्रूज पांच फरवरी को जापान के योकोहामा बंदरगाह पहुंचा था। हालांकि उस समय इस शिप में कोई वायरस संक्रमित व्यक्ति नहीं था, लेकिन हांगकांग में उतरे एक व्यक्ति का रिजल्ट पॉजिटिव आने के बाद क्रूज को तट पर ही रोक लिया गया है।

**जापान ने एचआइवी दवाओं का क्लीनिक ट्रायल शुरू करने की योजना बनाई :** अर्थव्यवस्था और स्वास्थ्य के लिए बढ़ते खतरे को देखते हुए जापान ने कोरोना के इलाज के लिए एचआइवी दवाओं के क्लीनिकल परीक्षण शुरू करने की योजना बनाई है। हालांकि दवा के उपयोग को मंजूरी देने में कितना समय लगेगा, इस विषय में कुछ नहीं बताया गया है। उधर, थाइलैंड में डॉक्टरों का कहना है कि उन्हें फ्लू और एचआइवी दवाओं के संयोजन के उपयोग से वायरस के कुछ गंभीर मामलों के इलाज में सफलता मिली है।

**तिमाही राजस्व में आएगी गिरावट : एपल**
कोरोना के खतरे का असर कई देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ता दिखाई दे रहा है। आलम यह है कि अभी तक दो दर्जन से अधिक ट्रेड फेयर और इंडस्ट्रियल कांफ्रेंस को रद किया जा चुका है। ताजा खबर फोन निर्माता कंपनी एपल की तरफ आई है। उसने कहा है कि चीन में आइफोन उत्पादन में कमी और कमजोर मांग के चलते वह चालू तिमाही के राजस्व को प्राप्त नहीं कर सकेगी। मंगलवार को इस घोषणा के बाद विश्व के शेयर बाजारों में गिरावट दिखाई दी। कोरियाई राष्ट्रपति मून जे इन ने कहा कि अर्थव्यवस्था एक आपातकालीन स्थिति में है और मांग बाधित होने के चलते आवश्यक प्रोत्साहन की आवश्यकता है।

**सिंगापुर ने 32 हजार करोड़ का प्रावधान किया :** सिंगापुर ने कोरोना वायरस के प्रभाव से निपटने के लिए 4.6 अरब डॉलर (32 हजार करोड़ रुपये से अधिक) का प्रावधान किया है। बता दें कि कोरोना के चलते अर्थव्यवस्था को नुकसान होने के साथ ही और मंदी की आशंका जताई गई है। सिंगापुर में अभी तक संक्रमण के 77 मामले सामने आ चुके हैं। व्यापार और पर्यटन इससे बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वित्त मंत्री ने कहा है कि अभी नुकसान का पूरा आकलन किया जाना बाकी है। उम्मीद है कि स्थितियां हमारे अनुमान से कहीं अधिक खराब हो सकती हैं।

**यूएन महासचिव ने कोरोना के संक्रमण पर चिंता जताई:** संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने कोरोना वायरस के संक्रमण पर चिंता जताई है। उन्होंने कहा है कि संक्रमण ना केवल नियंत्रण से बाहर है, बल्कि यह काफी खतरनाक स्थिति पर जा पहुंचा है। चार दिवसीय यात्रा पर पाकिस्तान आए गुतेरस ने एक साक्षात्कार में कहा कि खतरे बहुत ज्यादा हैं और हमें इससे निपटने के लिए वैश्विक स्तर पर तैयारी करनी होंगी।

### पाकिस्तान अब दूतावास के अधिकारियों को भेजेगा वुहान

चीन में कहर बरपा रहे कोरोना वायरस के खतरे के बीच पाकिस्तान ने अपने दो अधिकारियों को वुहान में तैनात करने का फैसला किया है। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि सरकार ने बीजिंग स्थित अपने दूतावास के दो अधिकारियों को वुहान में तैनात करने का फैसला किया है ताकि वे वहां विभिन्न विश्वविद्यालयों में पढ़ रहे पाकिस्तानी छात्रों से मुलाकात कर सकें। मंत्रालय की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि चीन ने पाकिस्तान की हुकूमत की गुजारिश को स्वीकार करते हुए इस कदम को मंजूरी दे दी है। चीन में लगभग 28,000 पाकिस्तानी छात्र विभिन्न संस्थानों में पढ़ रहे हैं।

### चीन में कोई भारतीय कोरोना से संक्रमित नहीं : वीडोंग

**जागरण ब्यूरो, नई दिल्ली :** ऐसे समय जब भारत वुहान से अपने नागरिकों के एक और दल को स्वदेश लाने की तैयारी में है, चीन के राजदूत सून वीडोंग ने कहा है कि उनके देश में कोई भी भारतीय कोरोना वायरस से संक्रमित नहीं है। उन्होंने यह भी कहा है कि चीन में भारतीयों का वैसा ही ख्याल रखा जा रहा है, जैसे अपने नागरिकों का रखा जाता है। मुश्किल की इस घड़ी मे मिले साथ और सहयोग के लिए उन्होंने भारत का आभार भी जताया है और सार्स महामारी के दौरान तत्कालीन रक्षा मंत्री जॉर्ज फर्नांडीस की तरफ से मिली मदद को भी याद किया है। चीन ने कोरोना वायरस यानी 'कोविड 19' को हरा देने का विश्वास भी जताया है।चीन में कोरोना वायरस से निपटने की तैयारियों के बारे में जानकारी देने के लिए आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में वीडोंग ने कहा कि खास तौर पर हुबेई प्रांत के विश्वविद्यालयों में पढ़ने वाले भारतीय छात्रों के स्वास्थ्य व अन्य जरूरतों का पूरा ख्याल रखा जा रहा है। उन्होंने वहां से वापस आए भारतीय छात्रों से भी कहा कि अगर वो वापस जाना चाहते हैं तो अपने विवि से संपर्क करें।

## न्यूज गैलरी

### ईरान और जर्मनी ने रिहा किए एक-दूसरे के कैदी

**तेहरान :** ईरान और जर्मनी ने अपने यहां जेल में बंद एक-दूसरे के एक-एक कैदी को रिहा कर दिया। ईरान न्यायपालिका के प्रवक्ता ने कहा कि उसके नागरिक अहमद खलीली को जर्मनी ने रविवार को रिहा किया। इसके बदले में ईरान ने अगले दिन जर्मनी के एक नागरिक को जेल से रिहा कर दिया। जर्मन नागरिक की रिहाई इस शर्त पर की गई कि खलीली को अमेरिका प्रत्यर्पित नहीं किया जाएगा। खलीली को अमेरिकी नियमों के उल्लंघन में तो जर्मन नागरिक को बिना अनुमति तस्वीर लेने के जुर्म में गिरफ्तार किया गया था। (एएफपी)

### अफगानिस्तान में तालिबान ने की जज की हत्या

**काबुल :** अफगानिस्तान के पश्चिमी हिस्से के हेरात प्रांत में तालिबान आतंकियों ने एक प्राइमरी कोर्ट के जज की गोली मारकर हत्या कर दी। प्रांतीय सरकार के प्रवक्ता जेलानी फरहद ने कहा कि आतंकियों ने सोमवार रात जज अब्दुल रहीम आजमी को निशाना बनाया। आतंकियों ने इसी सप्ताहांत कंधार प्रांत में दो पुलिस अधिकारियों की गोली मारकर हत्या कर दी थी। (आइएएनएस)

### बैरी ओ फैरेल होंगे भारत में ऑस्ट्रेलिया के नए उच्चायुक्त

**मेलबर्न, :** ऑस्ट्रेलिया ने न्यू साउथ वेल्स सरकार के पूर्व प्रमुख बैरी ओ फैरेल को भारत में अपना नया उच्चायुक्त नियुक्त किया है। मंगलवार को एक आधिकारिक वक्तव्य में यह जानकारी दी गई। ओ फैरेल हरिंदर सिद्धू का स्थान लेंगे, जो 2016 से भारत में ऑस्ट्रेलिया की उच्चायुक्त रही हैं। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री मराइज पायने ने ट्वीट किया, 'बैरी ओ फैरेल भारत में गणराज्य में अगले उच्चायुक्त होंगे। (प्रेट्र)

### दुबई में इमारत से गिरने पर भारतीय इंजीनियर की मौत

**दुबई :** संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के दुबई शहर में एक ऊंची इमारत से गिरने पर भारतीय इंजीनियर सबील रहमान की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, केरल के रहने वाले 25 वर्षीय सबील की मौत उनके कार्यस्थल के समीप एक इमारत से गिरने के कारण हुई। वह दुबई में 2018 से रह रहा था। मौत के पीछे की वजह का अभी तक पता नहीं चल पाया है। परिजनों को भी सबील के मौत की वजह नहीं दिख रही है। शव भारत भेजे जाने की तैयारी है। (प्रेट्र)

# पाक के 'ग्रे लिस्ट' में बने रहने के आसार

- एफएटीएफ अंतिम फैसला शुक्रवार को करेगा
- आतंकी फंडिंग को लेकर कटघरे में हो पड़ोसी देश

**नई दिल्ली, प्रेट्र :** वैश्विक आतंकी फंडिंग पर नजर रखने वाली संस्था एफएटीएफ ने मंगलवार को पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' में बनाए रखने की सिफारिश की है। उसने पाया कि पाकिस्तान आतंकी फंडिंग पर काबू करने में विफल रहा है। हालांकि पाकिस्तान पर अंतिम फैसला 21 फरवरी यानी शुक्रवार को किया जाएगा।

इस संबंध में पेरिस में चल रही एफएटीएफ की अंतरराष्ट्रीय सहयोग समीक्षा समूह (आइसीआरजी) की बैठक में सिफारिश की गई है कि पाकिस्तान फिलहाल ग्रे लिस्ट में बना रहेगा। उसे काली सूची में डालने के आसार अभी नहीं हैं। लेकिन पाकिस्तान पर अंतिम फैसला तीन दिन बाद तब लिया जाएगा जब एफएटीएफ अपनी अहम बैठक करेगा। फिलहाल उसकी बैठकें एक हफ्ते से जारी हैं। इसी दौरान अपने बचाव में पाकिस्तान ने आतंकी सरगना हाफिज सईद को आतंकी फंडिंग के दो मामलों में कुल 11 साल कैद की सजा सुना दी है। पाकिस्तानी अदालत का यह दिखावटी फैसला एफएटीएफ और पश्चिमी देशों को खुश करने के लिए लिया गया है।

भारत ने पिछले कुछ सालों में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर यह स्थापित कर दिया है कि पाकिस्तान नियमित रूप से लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मुहम्मद और हिजबुल मुजाहिदीन जैसे आतंकी संगठनों को हर तरह की मदद करता है। यह सभी आतंकी संगठन पाकिस्तान की ही शह पर भारत के खिलाफ काम करते हैं। इसलिए भारत ने एफएटीएफ से अपील की है कि वह पाकिस्तान के खिलाफ सख्ती बरते।

पाकिस्तान सरकार ने हाल ही में एफएटीएफ को यह भी बताया है कि जैश का संस्थापक मसूद अजहर और उसका परिवार लापता हैं। पड़ोसी देश ने दावा किया है कि संयुक्त राष्ट्र की ओर से आतंकी घोषित केवल 16 आतंकी पाकिस्तान में हैं। इनमें से सात की मौत हो चुकी है। और जो नौ आतंकी जिंदा हैं उनमें से सात ने संयुक्त राष्ट्र से वित्तीय और यात्रा संबंधी प्रतिबंध हटाने की अपील की हुई है।

**काली सूची से बचने को और तीन देशों का समर्थन चाहिए :** पाकिस्तान को 'ग्रे लिस्ट' से बाहर निकल कर व्हाइट लिस्ट में आने के लिए कुल 39 में से 12 वोटों की जरूरत पड़ेगी। जबकि काली सूची में डाले जाने से बचने के लिए उसे और तीन देशों का समर्थन चाहिए होगा। पिछले महीने एफएटीएफ की बैठक बीजिंग में हुई थी। पाकिस्तान ने एफएटीएफ के दिशा-निर्देशों के अनुरूप अब तक अपने यहां की गई कार्रवाई की सूची सौंपी थी। लेकिन अक्टूबर 2019 में एफएटीएफ ने पाकिस्तान से कहा था कि उसने 27 लक्ष्यों में से केवल पांच को पूरा किया है।

### फरवरी तक का अल्टीमेटम हो रहा है खत्म

एफएटीएफ ने पाकिस्तान को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि वह फरवरी, 2020 में अपनी कार्ययोजना को पूरा कर ले। पाकिस्तान जून, 2018 से ग्रे लिस्ट में शामिल है। और उसे अक्टूबर, 2019 तक एक कार्ययोजना को अंजाम देने को कहा था। अन्यथा उसे काली सूची में डाला जाएगा। उत्तर कोरिया और ईरान जैसे देश पहले से काली सूची में हैं।

## नाइजर में खाने के लिए भगदड़, 20 की मौत

**नियामी, एएफपी :** अफ्रीकी देश नाइजर में खाने-पीने की सामग्री के वितरण के दौरान शरणार्थियों के बीच मची भगदड़ में 20 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 15 महिलाएं व पांच बच्चे हैं।

सोमवार को नाइजर के दिफ्फा शहर में यह घटना तब घटी, जब खाद्य पदार्थ समेत अन्य राहत सामग्री लेने के लिए हजारों की संख्या में लोगों का हुजूम एक साथ उमड़ पड़ा। हादसे की जगह पड़ोसी मुल्क नाइजीरिया व चाड से लगती सीमा पर स्थित है, जहां लाखों की संख्या में लोग शरणार्थी शिविरों में रहने को मजबूर हैं।

दिफ्फा के सांस्कृतिक केंद्र में सोमवार को खाद्य सामग्री, कपड़े और पैसा वितरित होने की खबर सुनकर एक साथ हजारों लोग इकट्ठा हो गए थे। बहुत सारे लोग तो 100 किलोमीटर दूर से पैदल चल कर आए थे। आतंकवाद व गृह युद्ध से त्रस्त होकर नाइजर के इस शहर में लाखों की संख्या में लोगों ने शरण ले रखी है।

इनमें पड़ोसी मुल्क के लोग भी बड़ी तादाद में शामिल हैं। दिफ्फा प्रांत के गवर्नर इस्सा लेमिने ने बताया कि एक दिन पहले राहत सामग्री का वितरण सफलतापूर्वक किया गया था।

## कराची में जहरीली गैस के रिसाव से 11 की मौत

पाकिस्तान के कराची शहर में जहरीली गैस के रिसाव की चपेट में आए लोगों को चिकित्साकर्मियों और ईदी फाउंडेशन के सदस्यों ने अस्पताल पहुंचाया। एएफपी

**कराची, प्रेट्र :** पाकिस्तान के कराची शहर में किसी रहस्यमय जहरीली गैस की चपेट में आने से 11 लोगों की मौत हो गई। यह अभी साफ नहीं हो सका कि यह किस तरह की गैस थी और इसका रिसाव कैसे हुआ। सिंध के मुख्यमंत्री मुराद अली शाह ने कराची के आयुक्त से घटना की रिपोर्ट मांगी है। डॉन अखबार में मंगलवार को छपी खबर के अनुसार, कराची के केमरी इलाके में गैस रिसाव के चलते कई लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। हालत बिगड़ने पर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया। जियाउद्दीन अस्पताल के प्रवक्ता अमीर शहजाद ने कहा कि गत दो दिनों में नौ लोगों की मौत हुई। जबकि पुलिस के अनुसार, दो मौत कुटियाना अस्पताल में हुई। शहर के कई अस्पतालों में दर्जनों लोगों को भर्ती कराया गया है। पाकिस्तान के इस तटीय शहर के आयुक्त इफ्तिखार शालवानी ने कहा कि एक जहाज से सोयाबीन या इसी तरह के पदार्थ के चलते जहरीली गैस का रिसाव हो सकता है। कराची के पुलिस प्रमुख गुलाम नबी मेमन ने कहा, 'घटना के कारणों का अभी पता चल नहीं सका है।'

# करतारपुर साहिब पहुंचे गुतेरस, सिख बच्चे ने किया स्वागत

**लाहौर, प्रेट्र :** पाकिस्तान दौरे पर आए संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने मंगलवार को करतारपुर साहिब गलियारे का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने गलियारा खोलने के कदम की सराहना की।

- यूएन महासचिव ने की गलियारे को खोलने की सराहना

लाहौर से करीब 125 किलोमीटर दूर करतारपुर साहिब पहुंचने पर गुतेरस को एक सिख बच्चे ने बुके भेंटकर स्वागत किया। इस मौके पर पाकिस्तान सिख गुरुद्वारा प्रबंधक समिति के सदस्य भी मौजूद रहे। गुतेरस को करतारपुर गलियारे को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच हुए समझौते की जानकारी दी गई।

गुरुद्वारा दरबार साहिब पाकिस्तान के करतारपुर में है। सिख धर्म के संस्थापक गुरु नानक देव ने यहीं पर अपनी जिंदगी के अंतिम 18 वर्ष बिताए थे। करीब साढ़े चार किलोमीटर लंबा यह गलियारा गुरुद्वारा दरबार साहिब को भारत के गुरुदासपुर जिले में स्थित डेरा बाबा नानक से जोड़ता है। गलियारा गत नवंबर में खोला गया था।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुतेरस ने मंगलवार को कतरतारपुर के गुरुद्वारा दरबार साहिब में शीश नवाया। उन्होंने दुनिया में अमन और शांति की कामना की। रायटर

### अमेरिका व तालिबान की वार्ता पर नजर रख रहे यूएन महासचिव

यूएन महासचिव एंटोनियो गुतेरस अमेरिका और तालिबान के बीच चल रही शांति वार्ता पर करीब से नजर रख रहे हैं। अफगानिस्तान में 19 वर्षों से जारी खूनी संघर्ष को खत्म करने के प्रयास में दोनों पक्ष जल्द ही किसी समझौते पर पहुंच सकते हैं। महासचिव के प्रवक्ता द्वारा सोमवार को जारी एक बयान के अनुसार, 'गुतेरस ने इस्लामाबाद की यात्रा के दौरान वार्ता सफल होने की कामना की है।' गत शनिवार को यह खबर आई थी कि अमेरिका और तालिबान 29 फरवरी को समझौते पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

## सदस्य देशों के यूएन का बकाया भुगतान नहीं करने से भारत चिंतित

- कहा, शांति मिशन फंड का अन्य प्रयोजन के लिए इस्तेमाल करना विश्वास को ठेस पहुंचाने जैसा

**संयुक्त राष्ट्र, प्रेट्र :** संयुक्त राष्ट्र (यूएन) के शांति मिशनों में बढ़-चढ़कर भाग लेने वाले भारत ने सदस्य देशों द्वारा बकाया भुगतान नहीं करने पर चिंता व्यक्त की है। साथ ही कहा है कि शांति मिशनों के फंड का इस्तेमाल अन्य प्रयोजन के लिए करना विश्वास को ठेस पहुंचाने जैसा है। बता दें कि भारत उन देशों में है, जिसने संयुक्त राष्ट्र को अपने हिस्से के 38 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग 272 करोड़ रुपये) का समय से पहले ही भुगतान कर दिया है। खास बात यह है कि मार्च 2019 तक किसी भी देश द्वारा शांति मिशन के लिए दी गई यह सबसे ज्यादा रकम है।

संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि सैय्यद अकबरूद्दीन ने विशेष समिति में शांति अभियान के मुद्दे पर भारत की प्राथमिकता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति सेना की वित्तीय स्थिति विशेष रूप से सैनिकों को भुगतान में विलंब जैसे मुद्दे चिंता का कारण बने हुए हैं। पिछले साल कुछ उपाय किए गए थे, लेकिन इसका अस्थायी असर ही हुआ। भुगतान में देरी की प्रवृत्ति एक बार फिर वापस आ रही है। उन्होंने बंद हो चुके शांति अभियानों का भुगतान नहीं करने पर भी चिंता व्यक्त की।

अकबरूद्दीन ने कहा कि शांति मिशनों की समाप्ति के सालों बाद भी भुगतान नहीं करना यह सुनिश्चित करता है कि इस मामले को छोड़ा नहीं जा सकता है। उन्होंने कहा कि अन्य प्रयोजनों के लिए ऐसे शांति अभियानों के धन का उपयोग करना ना केवल खराब ऑडिट का उदाहरण है बल्कि यह विश्वास को ठेस पहुंचाने वाला है।

### अशरफ गनी अफगानिस्तान के दोबारा राष्ट्रपति निर्वाचित

**काबुल, एजेंसियां :** अफगानिस्तान में राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों की घोषणा के साथ ही सियासी संघर्ष की स्थिति पैदा हो गई है। चुनाव आयोग द्वारा मंगलवार को घोषित अंतिम नतीजों में अशरफ गनी दूसरी बार राष्ट्रपति चुने गए हैं। लेकिन उनके मुख्य प्रतिद्वंदी अब्दुल्ला अब्दुल्ला ने चुनाव नतीजों को मानने से इन्कार करते हुए समानांतर सरकार बनाने का एलान किया है। राष्ट्रपति चुनाव के लिए पिछले साल 28 सितंबर को मतदान कराए गए थे। मतदान में घोर अनियमितता के आरोप लगे थे। भारी हिंसा भी हुई थी।

स्वतंत्र चुनाव आयोग (आइईसी) ने कहा है कि अशरफ गनी को 50.64 फीसद मत मिले हैं। जबकि, अब्दुल्ला को 39.52 फीसद मत प्राप्त हुआ है। चुनाव आयोग ने दिसंबर में प्रारंभिक चुनाव नतीजों की घोषणा की थी, जिसमें विश्व बैंक के कर्मचारी रहे गनी मामूली अंतर से विजयी हुए थे। लेकिन अब्दुल्ला ने चुनाव नतीजों में धोखाधड़ी का आरोप लगाते हुए उनकी पूरी समीक्षा की मांग की थी। बता दें कि 2014 के चुनाव में भी धोखाधड़ी का आरोप लगा था। बाद में अमेरिका के बीच बचाव के बाद गनी राष्ट्रपति और अब्दुल्ला उनके सीईओ बने थे।

## दावा

आतंकी संगठन अलकायदा की पत्रिका नवा-ए-अफगान ने किया दावा, मुशर्रफ की आलोचना की थी और अलकायदा से भी था जुड़ाव

# लापता पाक जनरल शाहिद की दो साल पहले हो गई थी मौत

**रियाद, एएनआइ :** रहस्यमय परिस्थितियों में पिछले कुछ वर्षों से लापता पाकिस्तान के सेवानिवृत्त जनरल शाहिद अजीज की दो साल पहले ही मौत हो चुकी है। यह दावा आतंकी संगठन अलकायदा की पत्रिका नवा-ए-अफगान जिहाद ने किया है। पत्रिका ने पहली बार यह भी दावा किया कि अलकायदा से अजीज के करीबी संबंध थे। उन्होंने एक किताब में पाकिस्तान के पूर्व सैन्य शासक परवेज मुशर्रफ की आलोचना की थी।

अजीज 2005 में पाकिस्तान की सेना से सेवानिवृत्त हुए थे। मुशर्रफ जब सेना प्रमुख थे, तब वह सैन्य अभियानों के महानिदेशक थे। 2013 में लिखी एक किताब में उन्होंने मुशर्रफ की नीतियों की आलोचना की थी। वर्ष 2018 में जब उनके लापता होने और निधन की खबरें आई थीं, तब उनके रिश्तेदारों ने इन खबरों को अफवाह करार दिया था। उन्होंने यह दावा किया था कि वह धार्मिक जुड़ाव के साथ निजी जीवन व्यतीत कर रहे हैं। नवा-ए-अफगान पत्रिका ने अपने फरवरी के अंक में दावा किया कि अलकायदा के सदस्यों से अजीज के करीबी संबंध थे। इस पत्रिका का प्रकाशन अलकायदा इन द इंडियन सबकांटिनेंट (एक्यूआइएस) करता है। 2014 में अलकायदा के सरगना अयमान अल-जवाहिरी ने भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, म्यांमार और बांग्लादेश की सरकारों से मुकाबले के मकसद से एक्यूआइएस की स्थापना की थी।

शाहिद अजीज। फाइल

## हाफिज सईद के फंडिंग के दो मामले लाहौर ट्रांसफर

**लाहौर, प्रेट्र :** मुंबई हमले का मुख्य साजिशकर्ता और जमात-उद-दावा का प्रमुख हाफिज सईद के आतंकी फंडिंग के दो मामलों को आतंकवाद रोधी अदालत ने मंगलवार को लाहौर ट्रांसफर कर दिया गया है। ऐसा आतंकी सरगना हाफिज सईद की अपील पर किया गया। संयुक्त राष्ट्र में एक करोड़ डॉलर के ईनामी आतंकी हाफिज सईद को आतंकी फंडिंग के मामले में 17 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। 70 वर्षीय इस आतंकी को कोट लखपत की कड़ी सुरक्षा में बंद किया गया था।

लाहौर हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ममून राशिद शेख ने हाफिज सईद की याचिका पर सुनवाई के साथ ही उसके करीबी जफर इकबाल के खिलाफ भी सुनवाई हुई। इकबाल अल-अनफाल ट्रस्ट का सचिव भी है। कोर्ट ने हाफिज सईद की याचिका स्वीकार कर ली और 12 फरवरी को सईद और इकबाल को आतंकी फंडिंग के दो मामलों में सजा सुनाई गई। यह दोनों मामले लाहौर और गुजरनवाला शहरों में दर्ज थे। आतंकवाद रोधी कोर्ट के जज अरशद हुसैन भुट्टा ने सईद और इकबाल को दोनों मामलों में साढ़े पांच साल की कैद और 15 हजार रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई। इनकी कुल सजा 11 साल कैद की होगी। सईद के वकील इमरान फैजल गिल ने दलील दी कि उनके मुवक्किल को एफएटीएफ मामले पर दबाव के चलते दोषी ठहराया गया है।

हाफिज सईद। फाइल

# डॉक्टर बोले, असांजे को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराएं

**लंदन, आइएएनएस :** 100 से अधिक डॉक्टरों ने विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे को तत्काल चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने का अनुरोध किया है। द लैंसेट मेडिकल जर्नल में सोमवार को प्रकाशित इस पत्र में 18 देशों के डॉक्टरों ने हस्ताक्षर किए हैं। बता दें कि असांजे फिलहाल ब्रिटेन की अत्यधिक सुरक्षा वाले बेलमार्श जेल में बंद है।

पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले डॉक्टरों ने बताया कि जेल में असांजे को पर्याप्त इलाज नहीं मिल रहा है। जिसके चलते उसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। उनके अनुसार, असांजे के खराब स्वास्थ्य का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि गत वर्ष अक्टूबर में जब एक मामले की सुनवाई के दौरान उसे कोर्ट में पेश किया गया था तो उसका पूरा शरीर पीला पड़ चुका था। चलने-फिरने में असमर्थ असांजे यह भी नहीं समझ पा रहा था कि अदालत में क्या चल रहा है।

पत्र में हस्ताक्षर करने वालों में से अधिकांश डॉक्टर वही हैं, जिन्होंने नवंबर में इसी तरह के एक पत्र के माध्यम से असांजे को चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने की अपील की थी। पत्र में डॉक्टरों ने कहा कि किसी भी व्यक्ति को उचित इलाज मिलना उसका मौलिक अधिकार है और राजनीति को इस मामले में हस्तक्षेप की अनुमति नहीं दी जा सकती है। 'डॉक्टर ऑफ असांजे ग्रुप' से ताल्लुक रखने वाले इन डॉक्टरों ने अन्य डॉक्टरों से भी अपनी इस पहल में शामिल होने का आग्रह किया है। डॉक्टरों का कहना है कि मूलभूत चिकित्सा सिद्धांतों का राजनीतिकरण करना गंभीर चिंता का विषय है।

असांजे का मामला एक खतरनाक मिसाल है, जिसमें चिकित्सा के पेशे को एक राजनीतिक उपकरण की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है।